Class - B.Com I
Subject - BMC
Paper - I (S/G)
Topic. Modern Forms of Communication
Lecture - 31
By Dr C P Sahu
Marwari College, Darbhanga.

संचार के आधुनिक रूप :- (1)

प्राचीन समय में हमारे पास संचार सुविधाएँ नहीं थी तो हम अपने संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को भेजकर संदेश पहुँचाये जाते थे। उसके बाद डाक सेवा के माध्यम से संदेश लिखकर भेजते थे। जिसमें समय अधिक एवं धन खर्च भी अधिक होता था। लेकिन अब आधुनिक समय में संचार के प्रगति के कारण व्यवसाय, वाणिज्य एवं उद्योग के क्षेत्र में क्रान्ति ला दिया है। संचार साधनों के विकास का एक नया युग आरम्भ हुआ जिससे इलेक्ट्रोनिक, डिजिटल तथा अन्य तकनीकी का विकास हुआ। इसके अन्तर्गत टेलेक्स, इलेक्ट्रॉनिक, टाइपराइटर, कम्प्यूटर, टेलीविजन, एवं फोटोकॉपी इत्यादि संचार के साधनों ने तो संचार को शक्तिशाली बना दिया। आज की स्थिति में खासकर के व्यावसायिक संस्थाओं के लिए लोकप्रिय एवं दैनिक जीवन का एक अनिवार्य अंग हो गया।

संचार व्यावसायिक युग में एक प्रबन्धकीय सूचना प्रणाली को जन्म दिया। इससे सम्प्रेषण प्रणाली को उपयोगी एवं प्रभावशाली बनाकर प्रबन्धकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य सम्बन्धित वर्गों को ध्यान में रखकर सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रकाशन किया जा रहा है।

संचार के आधुनिक रूप निम्नलिखित हैं—

(1) पेजर सर्विस — पेजर सर्विस एक छोटा रेडियो रिसीवर है जो एकतरफा सम्प्रेषण में व्यक्ति को संक्षिप्त संदेश देता है। यह उपकरण ऐसे किसी भी

व्यक्ति के लिए आवश्यक है जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमता रहता है क्योंकि इसके माध्यम से किसी भी समय संदेश प्राप्त किया जा सकता है। इसके द्वारा केवल संदेश भेजा जाता है बातचीत नहीं हो सकता। इसमें ग्राहक को एक पेजर नम्बर दिया जाता है जिस पर व्यक्ति विशेष संदेश भेजता है। पेजर यंत्र छोटा होने के कारण इसे जेब में भी रखा जा सकता है। पेजर उपकरण पर अल्फा न्यूमेरिक संदेश आ जाता है एवं इसकी मेमोरी में रिकॉर्ड हो जाता है जिसे किसी भी समय पढ़ा जा सकता है।

(2) मोबाइल/सेल्यूलर फोन - मोबाइल फोन एक तार रहित संचार यंत्र है जो उन लोगों को संचार का सुविधाजनक साधन उपलब्ध कराता है चाहे वे कहीं भी क्यों न हो। फोन के द्वारा किसी भी व्यक्ति से, किसी भी समय एवं किसी भी जगह पहुँच सकता है।

यह यंत्र बैटरी से चलता है, छोटा होने के कारण इसे अपने पॉकेट में भी रख सकते हैं।

भारत में फोन का सेवा देने वाले प्रमुख कम्पनियाँ ③ हैं- AIRTEL, BSNL, Reliance एवं Vodophone

③ वॉइस मेल - यह वॉइस मेल कम्प्यूटर भी पहले चलता है। इसमें टेलीफोन की आने वाली और जाने वाली कॉल का संचय होता है। आने वाली कॉल का जवाब उपलब्ध करा स्वयं ही दे दिया जाता है। टेलीफोन से प्राप्त संदेश को कम्प्यूटर को भेजा जाता है जो ध्वनि आँकड़ों को डिजिट में परिवर्तित करता है और उसे डिस्क में संचय कर लेता है।

④ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग - यह मौखिक एवं सचित्र सम्प्रेषण की महत्वपूर्ण तकनीक है। इसके द्वारा संदेशों के सम्प्रेषण के साथ-साथ आपस में वार्तालाप भी ~~संभव~~ किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(4)

आज के समय में स्वास्थ्य के कोरोना महामारी में विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ही अपनी बातों का आदान-प्रदान किया जाता है।

(5) फैक्स — इसके माध्यम से संदेश हूबहू सामग्री दूसरे स्थान पर वैसा ही पहुँच जाता है। जिस स्थान पर संदेश भेजना होता है से टेलीफोन नम्बर एवं फैक्स नम्बर मिलाकर मशीन को चालू कर दिया जाता है। इसका प्रयोग अधिक संदेश पहुँचाने के लिए किया जाता है। इसे फैसीमाइल टेलीग्राफी को टेलीफैक्स मशीन के नाम से भी जानते हैं। इसका अविष्कार इटली के भौतिकविद् कैसेली ने 1866 में किया था। लेकिन इसका प्रसार प्रचार 1980 के दशक में ही हो सका।

(6) इलेक्ट्रॉनिक मेल या ई मेल :- आज के युग में इंटरनेट के माध्यम से संदेश भेजना बहुत ही आसान हो गया है। ई मेल के द्वारा जिस संदेश को भेजना होता है उसकी सामग्री पहले प्रोफेसर द्वारा तैयार की जाती है। इसके बाद समुचित पते पर यह पत्र या संदेश भेजा जाता है यदि कोई भी व्यक्ति अनुपस्थित भी रहता है तो ऐसी स्थिति में संदेश अपने मेलबाइल या कम्प्यूटर पर पढ़ लेता है।

(7) इन्टरनेट :- आधुनिक समय में विभिन्न स्थानों स्थापित कम्प्यूटर्स के नेटवर्क को टेलीफोन लाइन से सहायता से जोड़कर एक देश से दूसरे देश तक सूचनाएँ शीघ्र ही पहुँचाया जाता है। आज इसका प्रयोग छोटी से छोटी या बड़ी आवश्यकताओं का विकल्प है। इस प्रकार सूचना प्रसारण के इस बढ़ते हुए समय में इन्टरनेट का महत्व बहुत ही बढ़ गया है। इन्टरनेट अंग्रेजी के दो शब्दों इन्टरनेशनल एवं नेटवर्क को इकट्ठा करके बनाया गया है जिसका अर्थ है 'विश्वव्यापी जाल'।

—x—